

12 जुलाई, 2025
श्रावण, कृष्ण पंथ, दितीया
संवत् 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

* ओडिशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

नम आंखों से वरिष्ठ
नेता दर्दहरु को दी
गयी श्रद्धाजलि

रांची

शनिवार, वर्ष 10, अंक 262

आजाद सिपाही



सबसे तेजी से बच्चे पैदा कर रहे मुस्लिम, हिंदू आबादी घटी

विवेक जनसंख्या दिवस पर
जारी रिपोर्ट का निष्कर्ष
दुनिया का हर चौथा व्यक्ति
नास्तिक



आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। विश्व जनसंख्या दिवस पर एक चौंकने वाला तथ्य सामने आया है। दुनिया में हर मिनट 264 बच्चों का जन्म हो रहा है।

इनमें सबसे अधिक जन्म मुस्लिम समुदाय में हो रहे हैं, जबकि हिंदू आबादी में हल्की गिरावट देखी गयी है।

भारत की प्रजनन दर घटी : रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 तक भारत की अनुपानित आबादी 1.46 अरब होगी और यह सबसे ज्यादा आबादी

वाला देश बना रहेगा। हालांकि देश में कुल प्रजनन दर 2.1 से घट कर में कुल आबादी में से 14 साल की उम्र के 33% लोग हैं। यह तबका अगले पांच से 10 साल में दुनिया में औसतन मुस्लिम महिलाओं के भी सच है कि इसकी वजह से तीन से ज्यादा बच्चे हैं। जैसे-जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी बढ़ता जा रहा है।

मुस्लिमों में प्रजनन दर 3.1 : रिपोर्ट की माने तो मुस्लिमों में प्रजनन दर 3.1 है, जो कि किसी भी धार्मिक समुदाय से ज्यादा है। दुनिया में औसतन मुस्लिम महिलाओं के तीन से ज्यादा बच्चे हैं। जैसे-जैसे ये बढ़ रहे हैं, वे अपने समुदाय में

इसाई आबादी अब भी सबसे ज्यादा

प्यूरिस्च सेंटों की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में इसाई समुदाय दुनिया की सबसे बड़ी धार्मिक जनसंख्या है, लेकिन 2010 से 2020 तक बीच इनकी संख्या में गिरावट आयी है। यास्तर पर यूरोपीय देशों में इसाईयत से मोहरंग तोनी से बढ़ा है, जिसके चलते इस समुदाय की वैदिक हिस्सेदारी कम हो रही है।

और ज्यादा जनसंख्या बढ़ते जा रहे हैं। रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों की कुल आबादी में से 14 साल की उम्र के 33% लोग हैं। यह तबका अगले पांच से 10 साल में दुनिया में अधिक संख्या करेगा और फिर शादी करके और ज्यादा आबादी बढ़ायेगा।

तेजी से बढ़ रही नास्तिक आबादी

सार्विकीय दृष्टि से देखा जाये, तो मुस्लिमों के बाद सबसे तेज बढ़ने वाला वर्ग नास्तिक है। 2020 में करोड़ 190 करोड़ लोग खुद को नास्तिक बता रहे हैं, जबकि 2010 में यह संख्या 160 करोड़ थी। सिर्फ 10 साल में 30 करोड़ लोगों ने धर्म से दूरी बना ली है।

इसलिए बढ़ रहे हैं नास्तिक

नास्तिकों की बढ़ती संख्या के पीछे प्रमुख कारण धार्मिक संस्थानों से विश्वास उठना और वैज्ञानिक सोच को माना जा रहा है। रिपोर्ट बताती है कि सबसे ज्यादा लाग इसाई धर्म छोड़कर नास्तिक बन रहे हैं। कई लोग धार्मिक संस्थानों में हो रहे रहे भूषित शादी करके और ज्यादा आबादी बढ़ायेंगे।

भारत में नास्तिक बढ़े

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में नास्तिकों की संख्या 2020 में करोड़ 50 हजार थी। हालांकि 2010 में यह आंकड़ा सिर्फ 30 हजार था, यानी 10 साल में 67% की वृद्धि हुई। यह संख्या कम लग सकती है, लेकिन बढ़ते टेंड का संकेत देती है। सर्वे के मुताबिक 33% बैंडू अनुयायी ने कहा कि वे किसी भगवान में विश्वास नहीं करते।

धर्म और जनसंख्या का वैश्वक समीकरण

दुनिया में जब संधर्णों की जड़ में धर्म की भूमिका बढ़ती जा रही है, तब यह समझना जरूरी हो गया है कि धार्मिक आबादी का यह बदलाव सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य को कैसे प्रभावित करेगा। मुस्लिमों की तेजी से बढ़ती जनसंख्या और नास्तिकता का उभरता चलन आने वाले दशकों में विश्व राजनीति, नीति निर्माण और सामाजिक तान-बाने पर सीधा असर डाल सकता है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक, 27 प्रस्तावों पर मुहर

राज्यकर्मियों का डीए बढ़ा, सभी थानों के लिए वाहन खरीदे जायेंगे

● विधानसभा का मानसून सत्र एक अंगस्त से

कैबिनेट के अन्य फैसले



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुरू करने वाले राज्य कैबिनेट की बैठक में कुल 27 प्रस्तावों को मजूरी दी गयी। इनमें झारखण्ड विधानसभा का मानसून सत्र एक अंगस्त से सात अंगस्त तक आडूत करने का फैसला भी शामिल है। दो और तीन अंगस्त को अवकाश रहेगा और सत्र में पांच कार्यदिवस होंगे।

महाराष्ट्र भूता में वृद्धि की सौगत : कैबिनेट ने राज्य सरकार के कर्मियों को अपुनरीक्षित वेतनमान (पंचम वेतनमान) में एक जनवरी 2025 के प्रभाव से महाराष्ट्र भूता की दरों में वृद्धि की स्वीकृति दी है।

राज्य सरकार के पेश-शनधारीयों पारिवारिक कर्मियों को अपुनरीक्षित वेतनमान (छठा केंद्रीय वेतनमान) में एक जनवरी 2025 के प्रभाव से महाराष्ट्र भूता की दरों में वृद्धि की स्वीकृति दी गयी है।

राज्य सरकार के कर्मियों को अपुनरीक्षित वेतनमान (छठा केंद्रीय वेतनमान) में एक जनवरी 2025 के प्रभाव से महाराष्ट्र भूता की दरों में वृद्धि की स्वीकृति दी गयी है।

■ रांची के नामकूर की तत्कालीन सीओ की सौगत : रिक्टर कृष्णांक-35/20 द्वारा समर्पित अधीक्षित अभ्यासेन्ट कर्मियों को अस्याकृत एवं उनके विषय से विद्यार्थीय कार्य करते हुए पर योग्यालय द्वारा पारित आदेश के आलोक ने सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी गयी।

■ रांची के नामकूर की स्थानीय प्रशासन की स्वीकृति दी

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पहली बार बोले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमने पाकिस्तान में घुस कर नौ ठिकानों को उड़ाया, एक भी नहीं छूका : डोभाल

- विदेशी मीडिया से भारत को हुए नुकसान का सबूत भी मांगा

आजाद सिपाही संचादाता

चेन्नई। आइआईटी चेन्नई में

आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय

सुरक्षा सलाहकार (एनएसए)

अजित डोभाल ने 'ऑपरेशन

सिंदूर' को लेकर विदेशी मीडिया की रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उहाँने शुक्रवार को कहा कि विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर आमक और तथ्यहीन अजित डोभाल को लेकर आमक और तथ्यहीन अपील रिपोर्टिंग में दिया है। उहाँने अपेक्षा इसके बाद भारत की गयी स्टेटलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाये गये, वहाँ वह सरणीय हो, रहीम बार खान हो या चकलाता। मैं सिफर वही बता रहा हूं, जो उहाँने अपील रिपोर्टिंग में दिया है। उहाँने यह क्षमता है कि अपर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा बेहद ही सफल रहा। हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें से एक भी नहीं छूका। एनएसए अजित डोभाल ने कहा कि हमें अपनी स्वेच्छा तकनीक



कौन कहा है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए, जिसमें भारत की तरफ से हुआ काई नुकसान दिखाई दे रहा हो। एनएसए अजित डोभाल ने कहा कि हम एक ऐसे देश और ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार वर्षों से संकटप्रस्त, लहूलुगाम और अपमानित रही ही। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने और राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए, उहाँने कितने अपमान, अधाव और कष्ट साधने का फैसला किया। ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चुके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक स्टीक था, जहाँ हमें पता था कि

विकसित करनी होगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र वहाँ किया गया था। हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी समर्पणी थी। हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ अतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया। ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चुके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक स्टीक था, जहाँ हमें पता था कि

विदेशी शेयर किया। इसमें वह एक कम्पनी में वित्तर पर बैठकर सिर्पेट पी रहे हैं। उनके बगल में पैसेंसे से भरा एक बैग रखा है। कम्पनी में एक कुत्ता भी दिखा। इसके अलावा एक और सूटकेस सामने आया है। उद्धव गुट के दिखा, जो बंद था। थालाकंक, ये शिवसेना संसद संजन राजत ने इससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी

गयी। उत्तर ने कैशन में लिखा, 'मुझे उठ देवें फडणवीस पर तरस आ रहा है। वे और कितनी बार अपील प्रतिष्ठा को तार-तार होते देखें?'

उद्धव गुट के शिवसेना विधायक और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा, 'हम पहले से ही कह रहे थे कि यह 50 खोखे

वाली सरकार है, जिसमें पहला खोखा दिख गया है।' संजय शिरसान ने एक दिन पहले ही बताया कि उन्हें इनकम टैक्स ने नोटिस भेजा है। इसमें उसे पिछले दो विधानसभा चुनावों, 2019 और 2024 के बीच वित्ती संपत्ति 3 करोड़ से बढ़कर 35 करोड़ रुपए होने पर जबाब मांगा गया है।

शिवसेना विधायक कैश से भरे बैग के साथ दिखे

मुंबई (आजाद सिपाही)।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद पश्चिम से

शिवसेना (शिव गुट) विधायक

और फडणवीस सरकार में

कैबिनेट मंत्री संजय शिवसेना

के अलावा एक और सूटकेस

सामने आया है। उद्धव गुट के

दिखा, जो बंद था। थालाकंक, ये

शिवसेना संसद संजन राजत ने

शुक्रवार को पर शिरसान का

शुक्रवार को